कुछ ऐसी वस्तुये है जो भगवती महालक्ष्मी को आकर्षित करती है जैसे हत्था जोड़ी. यह भगवती महालक्ष्मी को आकर्षित करती है. दक्षिणावर्ती शंख, कमल गट्टा, गोमती चक्र, सिद्ध श्री यंत्र, पीली कौड़ी, रक्त गुंजा, जिसको लाल चिरमी भी बोलते हैं, लक्ष्मी को आकर्षित करती है. काली हल्दी लक्ष्मी को आकर्षित करती है. इनके अलावा बहुत से पदार्थ होते है. सामग्री पूजा स्थान में रखनी चाहिए व तिजोरी में रखनी चाहिए. साथ ही भगवती महालक्ष्मी को अर्पित करनी चाहिए. इनमें प्रबल आकर्षण शक्ति होती है.

लक्ष्मी और गणेश जी की चांदी की मूर्ति रखनी चाहिए. भगवती महालक्ष्मी की चांदी की चरण पादुका रखनी चाहिए. लाल वस्त्र के अंदर अक्षत अर्थात अखंडित चावल के 21 दाने रखें और साथ में एक पीपल का पत्ता, चांदी का एक सिक्का, पांच कमलगट्टे, पांच कोड़ी, गोमती चक्र, रक्त गुंजा अर्थात चिरमी, कमल पुष्प, काली हल्दी, लघु नारियल, चंदन के इत्र की छोटी शीशी, गुलाब के इत्र की छोटी सीसी, दो छोटी इलायची, एक लौंग, एक सुपारी, कपूर, लाल चंदन, मजीठ, साबुत धनिया, गुड़, नागकेसर, हल्दी की पांच गाँठें, ये सब पदार्थ लाल वस्त्र में रख कर कुबेर जी को और महालक्ष्मी जी को अर्पित करके पूजन करें, धूप दिखाएं और बांधकर तिजोरी में या पूजा स्थान मैं रखें. इसके अलावा पूजा स्थान में मोरपंख भी रखना चाहिए. एकाक्षी

नारियल होता है- एक आंख जैसी होती है, वह रखना चाहिए. इसके अलावा घर के मुख्य द्वार पर फूलों से भरी टोकरी रखें. मुख्य द्वार पर तोरण द्वार लगाएं. लक्ष्मी जी की चरण पादुकाएं द्वार के पास में लगाएं. द्वार के ऊपर एक स्वास्तिक बनाएं, यदि चांदी का बनाए तो और भी अच्छा. द्वार के ऊपर लक्ष्मी जी का चित्र हो. अपने कार्य के प्रति सावधान रहें, ईमानदारी से अपना कार्य संपन्न करें. ये वस्तुये रखी रहने दे, कुछ लोग तो अगली दिवाली तक रखते हैं और फिर बदल देते हैं. अगली दिवाली तक नहीं रख सके तो कम से कम सवा महीने तो रखें. लक्ष्मी जी की कृपा प्राप्त होती है. आप यह प्रयोग अवश्य करें. लक्ष्मी जी की कृपा प्राप्त होने के संकेत आपको मिलने प्रारंभ हो जाएंगे.